औद्योगीकरण के लिए अब विधायकों को भी करनी होगी निवेशकों की मदद

औद्योगिक विकास विभाग कर रहा शासन को प्रस्ताव भेजने की तैयारी

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ: राज्य में निवेश बढ़ाने के लिए अब विधायकों से भी सुझाव मांगे जाएंगे। विधायकों को अपने विधानसभा क्षेत्रों में निवेश परियोजनाओं के लिए भूमि की उपलब्धता सहित अन्य मामलों में निवेशकों की मदद करनी पड़ेगी। इस संबंध में औद्योगिक विकास विभाग शासन को जल्द ही प्रस्ताव भेजने की तैयारी कर रहा है। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरफ से विधायकों को निवेश बढ़ाने में मदद संबंधी निर्देश जारी किए जाएंगे।

राजधानी में पिछले वर्ष फरवरी में हुई ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी-4.0 में 10 लाख करोड़ रुपये की निवेश परियोजनाओं को धरातल पर उतारने की सहमति बनी थी। इन परियोजनाओं को लेकर विभिन्न जिलों को जल्द से जल्द निवेश कराने का लक्ष्य दिया गया था। तमाम प्रयासों के बाद भी अभी तक करीब 2.80 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं को ही धरातल पर उतारा जा सका है। समझौता ज्ञापन (एमओयू) करने के बाद भी कई कंपनियों ने निवेश में रुचि नहीं दिखाई है। इन्वेस्ट यूपी की रिपोर्ट के अनुसार निवेश परियोजनाओं से संबंधित आनलाइन आवेदनों में से विभिन्न विभागों से एनओसी न मिलने के कारण 690 आवेदन लंबित हैं। इनमें भूगर्भ जल विभाग के में 135 एनओसी के मामले लंबित हैं। इसी प्रकार पावर कारपोरेशन में 95, नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण में 83, ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण में 82, यूपीसीडा में 57, आवास विभाग में 51, पीडब्ल्यूडी में 36, एमएसएमई विभाग में 31, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में 24 आवेदन लंबित हैं। इनमें से कई परियोजनाओं को भूमि की उपलब्धता न होने के कारण स्वीकृति नहीं मिल पा रही है। जल्द ही प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। इसके बाद मुख्यमंत्री की तरफ से निवेश को लेकर विधायकों की भागीदारी तय की जाएगी।

वाइन उत्पादन में भी उत्तर प्रदेश बनेगा अग्रणी राज्यः उत्तर प्रदेश को वाइन उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के लिए आबकारी विभाग ने इन्वेस्ट यूपी के साथ मिलकर महाराष्ट्र व कर्नाटक की वाइन निर्माता कंपनियों से संपर्क साधना शुरू कर दिया है। महाराष्ट्र की प्रमुख वाइन निर्माता कंपनी सुला वाइनयार्ड सहित अन्य कंपनियों ने उत्तर प्रदेश में वाइन उत्पादन के लिए संभावनाएं भी तलाशनी शुरू कर दी हैं। महाराष्ट्र की एक अन्य वाइन निर्माता कंपनी गुड ड्राप वाइन सेलर्स प्राइवेट लिमिटेड कानपुर देहात के रनिया में वाइन उत्पादन का प्लांट स्थापित कर रही है।

वाइन उत्पादन के मामले में महाराष्ट्र, कर्नाटक व गोवा के मुकाबले उत्तर प्रदेश काफी पीछे है। उत्तर प्रदेश में अंगूर की फसल न होने के कारण वाइन निर्माता कंपनियां यहां का रुख नहीं कर रही थीं, लेकिन अंगूर के स्थान पर आम, अमरूद, जामुन, शहतूत से वाइन बनाने का प्रयोग सफल होने के बाद अब कंपनियों ने उत्तर प्रदेश में निवेश में रुचि दिखानी शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश में वर्तमान में नोएडा में सुरभि वाइन, मुजफ्फरनगर में केडी ग्रीन, सहारनपुर में वार्नी, लखनऊ के मलिहाबाद क्षेत्र में एम्ब्रोसिया नेचर लिविंग कंपनी ने वाइन उत्पादन के प्लांट स्थापित किए हैं। कानपुर देहात में प्लांट स्थापित कर रही गुड ड्राप वाइन सेलर्स के संचालक और वाइन ग्रोवर्स एसोसिएशन आफ इंडिया के सचिव अश्विन रोड्रिक्स ने बताया कि आम, अमरूद, केला, जामुन व शहद से छह माह के भीतर वाइन का उत्पादन शुरू कर दिया जाएगा। वहीं मलिहाबाद में प्लांट स्थापित करने वाले एमडी सिंह बताते हैं कि उनके पिता ने वर्ष 1975 में प्लांट स्थापित किया था, लेकिन सरकार की मदद न मिलने से काम आगे नहीं बढ़ा। अब 50 वर्षों बाद दोबारा वाइन उत्पादन का काम उन्होंने शुरू किया है।